□□. □□.□□.सिंह, प्रधान वैज्ञानिक को NASI – ICARएवार्ड 2019 प्राप्त हुआ

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली की स्थापना दिवस 16 जुलाई 2020 को नई दिल्ली में मनाई गयी, जिसमें संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. डी.वी. सिंह को प्रक्षेत्र यंत्रों में नवोन्मेष एवं अनुसंधान हेतु **NASI – ICAR**एवार्ड से सम्मानित किया गया । संस्थान उनके उपलब्धि पर बधाई प्रेषित करता है, इन्होंने भू-विन्यास यंत्रों के निर्माण-हेतु परिकल्पना एवं उनका निर्माण करके सोयाबीन की अनुसंधान एवं विकास में बहुत योगदान दिया है, जिससे सोयाबीन की उत्पादन में वृद्धि हुई है । मध्य भारत के वर्टीसोल में सोयाबीन की फसलोत्पादन हेतु भू-विन्यास यंत्रों का डिजाईन एवं उनका व्यवसायिक उत्पादन द्वारा इस क्षेत्र की भूमि में मृदा जल की प्रबन्धन में बहुत सहायता प्रदान की है । ब्राड बेड एंड फरो सीड ड्रिल यंत्र द्वारा वर्टीसोल में बेड एवं फरों के निर्माण करके उस पर बुआई द्वारा भू, मृदा व फसल का प्रबंधन अच्छा होता है । बी.बी.एफ. सीड ड्रिल द्वारा बुआई करने पर समतल भूमि पर बुआई की अपेक्षा सोयबीन पौधों की मृत्यु दर 4-19 % कम होती है, जिसका परिणाम फसल की उत्पादन में 18-65 % वृद्धि होती है । एफ.आई.आर.बी.एस. द्वारा बीज बुआई से समतल बुआई की तुलना में सिंचाई के अलावा 20% अधिक पौध संख्या प्राप्त होती है एवं 22% अधिक उपज प्राप्त होती है । सोयाबीन की फली लगने की भूमिसे ऊँचाई के आधार पर चिन्हित किया गया जिससे उनका यांत्रिक गहराई में सहायता मिले ।